Downloaded from www.studiestoday.com

पाठ -4

वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

याद रखने योग्य बाते :-

(1) वैश्वीकरण - अपने देश की अर्थव्यवस्था को संसार के अन्य देशों की अर्थव्यवस्था में सामंजस्य स्थापित करना।

(2) उदारीकरण - सरकार द्वारा अवरोधों और प्रतिबन्धों को हटाने की प्रक्रिया को उदारीकरण कहा जाता हैं।

(3) विश्व बैंक - अपने सदस्य राष्ट्रों को वित्तीय सहायता देने वाली अन्तर्राष्ट्रीय संस्था।

(4) बहुराष्ट्रीय कम्पनियां - वह कंपनी जो एक से अधिक देशों में उत्पादन पर नियंत्रण रखती है।

(5) निजीकरण - निजी क्षेत्र द्वारा संचालित कम्पनियों को सार्वजनिक क्षेत्र की व्यवस्था का चरण बद्ध बेचा गया।

(6) डब्लू. टी. ओ. - विश्व व्यापार संगठन

(7) चालू खाता - एक वित्त वर्ष में वस्तुओं तथा सेवाओं के व्यापार के साथ ही भुगतानों का स्थानांतरण

(8) पूंजी खाता - स्टॉक, ब्रांड, भूमि तथा बैंक जमा राशियों की खरीद और ब्रिकी का अभिलेख

(9) निर्यात कोटा - एक देश द्वारा निर्यात की जाने वाली वस्तुओं की निर्धारित मात्रा

(10) लचीलापन - कानून में सरकार द्वारा ढील जो उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए दी जाती है उसे लचीलापन कहते है।

बहुवैकल्पिक प्रश्न

(1) भारत में नई आर्थिक नीति कब लागू की गई?

(क) 1991 में (ख) 2000 में (ग) 2008 में (घ) 1989 में

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(2) बहुराष्ट्रीय कम्पनियां विदेशों में निवेश क्यों करती है?

(क) अपने अधिक लाभ के लिए (ख) अपने देश के लोगों को बेहतरी के लिए

(ग) दूसरे देशों की बेहतरी के लिए (घ) गरीब लोगों की बेहतरी के लिए

(3) फोर्ड ने 1700 करोड़ लागत से अपना संयंत्र कहां स्थापित किया?

(क) मुम्बई (ख) कोलकाता (ग) कानपुर (घ) चैन्नई

(4) निम्नलिखित में से कौन सी वैश्वीकरण की विशेषता नही?

(क) देशों के बीच तीव्र तालमेल (ख) देशों के बीच अधिक वस्तुओं और सेवाओं का आदान प्रदान

(ग) आयात पर कर बढ़ाना (घ) देशों के बीच नौकरी, शिक्षा आदि के लिए लोगों का आना जाना वैश्वीकरण के द्वारा लोगों को आपस में जोड़ने का परिणाम होगा।

(5) वैश्वीकरण के द्वारा लोगों को आपस में जोड़ने का परिणाम होगा

(क) उत्पादकों में पहले से कम प्रतियोगिता

(ख) उत्पादकों में पहले से अधिक प्रतियोगिता

(ग) उत्पादकों में कोई प्रतियोगिता नहीं

(घ) उच्च शक्ति का एकाधिकार

(6) विदेशी व्यापार किनके बीच होता है?

(क) दो या दो से अधिक देशों के बीच

(ख) एक देश के राज्यों के बीच

(ग) एक देश के अंदर

(घ) ऊपर में से कोई नही

(7) निम्नलिखित में से कौन सी एक बहुराष्ट्रीय कम्पनी की विशेषता नहीं है?

(क) यह एक से अधिक देशों में उत्पादन पर नियंत्रण रखती है।

(ख) यह बाजार के समीप फैक्ट्रियां स्थापित करती है।

(ग) यह उत्पादन प्रक्रिया जटिल ढंग से करती है।

(घ) यह केवल अपने देश के श्रमिकों को काम पर लगाती है।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(8) सेज क्या है?

(क) विशेष आर्थिक क्षेत्र (ख) विशेष व्यायाम क्षेत्र

(ग) विशेष निर्यात क्षेत्र (घ) ऊपर में से कोई नही

(9) निम्न में से कौन सा भारत का निर्यात नही है?

(क) चाय (ख) कॉफी (ग) तम्बाकू (घ) उर्वरक

(10) निम्न में से किसको वैश्वीकरण से सब से कम लाभ हुआ है?

(क) कृषि क्षेत्रक (ख) उद्योग (ग) सेवा क्षेत्रक (घ) द्वितीयक क्षेत्रक

लघु/दीर्घ प्रश्न (3/4 अंक)

(1) भारत सरकार ने स्वतंत्रता के पश्चात विदेश व्यापर और विदेशी विनिमय पर अवरोधक क्यों लगाए?

(2) किन कारणों से भारत में आर्थिक सुधार की आवश्यकता पड़ी?

(3) विदेशी व्यापार के क्या लाभ है?

(4) वैश्वीकरण की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने मे प्रौद्योगिकी की भूमिका समझाएं?

(5) बहुराष्ट्रीय कम्पनियां किस प्रकार उत्पादन पर नियंत्रण करती है? कोई तीन बिन्दु समझाएं।

(6) उदारीकरण तथा वैश्वीकरण की नीति अपनाने के फलस्वरूप भारत में कौन–कौन से मुख्य परिवर्तन आए है?

(7) विशेष आर्थिक क्षेत्र का क्या अर्थ है इसकी विशेषताएं बताए।

(8) विश्व व्यापार संगठन का अर्थ बताइए। इसकी दो हानियों का उल्लेख करो।

(9) वैश्वीकरण को न्यायसंगत बनाने के लिए सरकार की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

(10) विदेश व्यापार और विदेशी निवेश में अंतर स्पष्ट करें।

बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर

(1) (क) 1991 में

(2) (क) अपने अधिक लाभ के लिए

(3) (घ) चैन्नई

(4) (ग) आयात पर कर बढ़ाना

(5) (ख) उत्पादकों में पहले से अधिक प्रतियोगिता

(6) (क) दो या दो अधिक देशों के बीच

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(7) (घ) यह केवल अपने देश के श्रमिकों को काम पर लगाती है।

(8) (क) विशेष आर्थिक क्षेत्र

(9) (घ) उर्वकर

(10) (क) कृषि क्षेत्रक

लघु/दीर्घ प्रश्नों के उत्तर

उ॰ (1) विदेशी प्रतिस्पर्धा से देश के उत्पादकों की रक्षा करना

(2) स्वतंत्रता से पहले अंग्रेजो ने भारतीय उद्योग धन्धों को चौपट कर दिया था। स्वतंत्रता के बाद यहाँ भारतीय उद्योग स्थापित किए गए उद्योगों के विकास के लिए विदेशी व्यापार पर रोक आवश्यक थी।

(3) स्वतंत्रता के बाद भारत 562 टुकड़ों में बँटा हुआ था। यहाँ परिवहन तथा संचार के साधन अस्त व्यस्त स्थिति में थे।

(4) स्वतंत्रता के शुरूआती वर्षो में भारत के वैदेशिक संबंध इतने सुदृढ़ नहीं बन पाए थे कि विश्व के अन्य देशोकं के साथ व्यापार विकसित हो सके।

(2) (1) राजकोषीय घाटे में वृद्धि

(2) प्रतिकूल भुगतान संतुलन में वृद्धि

(3) खाड़ी संकट

(4) विदेशी विनिमय के भंडारों में कमी

(5) कीमतों में वृद्धि

(6) सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों का कार्य संतोषजनक न होना।

उ॰ 3(1) विदेशी व्यापार से एक देश को विदेशी मुद्रा के अर्जन में सहायता मिलती है।

(2) संसाधनों का अधिक क्षमता से उपयोग होता है।

(3) यह विकस की संभावनाओं और रोजगार में सुधार लाता है।

(4) जीवन स्तर में वृद्धि होती है।

(5) व्यावसायिक इकाइयों के विकास की संभावनाएं होती है।

उ॰ (4) (1) परिवहन तकनीक में कई सुधारों में दूर-दूर स्थानों पर कम लागत पर वस्तुओं को भेजना संभव बनाया है।

(2) सूचना प्रौद्योगिकी में सुधार से विभिन्न देश आपस में जुड़कर तुरंत सूचना प्राप्त कर लेते हैं।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(3) इंटरनेट टैक्नालोजी से व्यापार में गति आई है।

उ० (5) उत्पादन पर नियंत्रण करने की विधियाँ

(1) संयुक्त उपक्रम विधि

(2) स्थानीय कम्पनियों को क्रय करना

(3) छोटे उत्पादकों से माल खरीदना

उ० (6) (1) उदारीकरण तथा वैश्वीकरण की नीति अपनाने के फलस्वरूप निजी विदेशी निवेश बढ़ने का अधिक अवसर मिला।

(2) विदेशी विनिमय कोष (भंडार बढ़ गया)

(3) आईटी उद्योग का विस्तार हुआ।

(4) सरकारी राजस्व में वृद्धि।

उ० (7) विशेष आर्थिक क्षेत्र ऐसे क्षेत्र है, जहाँ विश्व-स्तरीय सुविधायें जैसे बिजली, पानी, सड़क परिवहन, मनोरंजन और शैक्षिक सुविधाओं की व्यवस्था की जाती है और करों में रियायत दी जाती है।

विशेषताएं

(1) अधिक से अधिक बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को भारत में निवेश के लिए आर्कषित करना।

(2) रोजगार के अवसर बढ़ेगे।

(3) उपभोक्ता को नई वस्तएँ सस्ते दामों में उपलब्ध होगी।

उ० (8) 1995 में संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य देशों द्वारा आपसी व्यापार को बढ़ाने के लिए विश्व स्तर पर जिस संगठन की सहायता हुई उसे विश्व व्यापार संगठन कहते है। मुख्य कार्यालय जेनेवा में हैं।

हानियाँ

(1) विश्व के विकसित देश विकासशील देशों के आन्तरिक मामलों में दखल दे सकते है।

(2) विकसित देश कोई भी महत्वपूर्ण फैसला स्वयं लेते है वे विकासशील देश, निर्धन देश से परामर्श नही लेते।

उ० (9) सरकार की भूमिका -

(1) वैश्वीकरण की नई नीति के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व अर्थव्यवस्था से जोड़ने का प्रयत्न किया गया ताकि पूंजी, तकनीकी ज्ञान और अनुभव का विश्व के विभिन्न देशों से आदान-प्रदान हो सके।

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

(2) सरकार ने माल के आयात पर से अनेक प्रतिबन्ध हटा दिए।

(3) आयतित माल पर कर कम कर दिए।

(4) विदेशी निवेशकों को भारत में निवेश के लिए प्रोत्साहन दिया गया।

(5) तकनीकी क्षेत्र को हर ढंग से उन्नत करने का प्रयत्न किया गया।

उ०(10) (अ) विदेशी व्यापार–विदेशों से वस्तुओं को खरीदने और बेचने के कार्य को विदेश व्यापार कहते है।

(2) इसके अन्तर्गत आयात और निर्यात की दोनों प्रक्रियाएं शामिल होती है।

(ब) विदेशी निवेश – अधिक लाभ कमाने के उद्देश्य से जब बहुराष्ट्रीय कम्पनियां मेजबान देश में अपने धन से उत्पादन इकाई की स्थापना करती है तो उसे विदेशी निवेश कहते है।

www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com